

Indira Gandhi National Open University

Regional Centre, 5-C/INS-1, Sector-5, Vrindavan Yojna, Telibagh, Lucknow - 226 024

Report on Visit of Prof. Nageshwar Rao, Hon'ble Vice Chancellor, IGNOU at Regional Centre, Lucknow



Prof. Nageshwar Rao, Hon'ble Vice Chancellor, Indira Gandhi National Open University (IGNOU) has visited Regional Centre, Lucknow on Sunday, 21st January, 2024 and interacted with the officials of Regional Centre. Prof. Rao discussed about newly launched Four Years Bachelor's Degree Programmes and other programmes as Foreign Languages (CFL, CRUL, CAL, CUL, CJL, CKLC, CSLC, CGL, CPEL, MA in Spanish, French) and programmes related to Indian Knowledge System. Prof. Rao stressed upon the significance of social media platforms as Facebook, X, YouTube Channel for circulation of publicity material as Flyers, Posters, Audios & Videos. Prof. Rao further instructed to provide better support services to IGNOU learners through Swayam Prabha Channel and other medium of Online Learning. He emphasized to use services of Academic Counsellors for counselling from National pool of IGNOU Academic Counsellors. Prof. Rao said in his address that each member of IGNOU at any level from Headquarters to Learner Support Centre play a vital role for achieving the goal of Higher Education and to bring every interested IGNOU aspirant into the main stream of Skill Based Education provided by IGNOU. On occasion Dr. Manorama Singh, Senior Regional Director, Dr. Ashwini Kumar, Additional Director, Dr. Kirti Vikram Singh, Dr. Reena Kumari & Dr. Anamika Sinha, Assistant Regional Directors and Mr. Arbinda Mishra, Executive (DP) and Dr. Alok Shukla, Assistant Coordinator, IGNOU LSC-2781, MLK PG College, Balrampur were present.



इग्नू: भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े कोर्सों की भी पढ़ाई

जासं, लखनऊ : अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्न्) से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित पाठ्यक्रमों की भी पढाई कर सकेंगे। इनमें वैदिक अध्ययन, हिंदी व्यावसायिक लेखन, हिंदू अध्ययन, ज्योतिष में स्नातकोत्तर के साथ भारतीय कालगणना और ऐतिहासिक कालक्रम, कालगणना की विधियां, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र ले सकेंगे। इसके अलावा संस्कृत साहित्य में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम भारतीय संस्कृति यवाओं को पाने में सहायक होगा। विश्वविद्यालय ने यह पाठयक्रम लांच किए हैं।

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के दौरे पर हाल ही में आए विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. नागेश्वर राव ने यह जानकारी साझा की। उनके अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट भी निर्धारित किए गए हैं।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने शुरू किए कई प्रमाण पत्र और पीजी डिप्लोमा पाठयक्रम

विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। काल चिंतन, कालगणना आदि पाठयक्रमों में भारतीय अवधारणाओं की वैज्ञानिकता व समय की गणना के बारे में बताया जाएगा। विद्यार्थी समय गणना के विज्ञान का भी विश्लेषण कर सकेंगे। वास्तुशास्त्र का इतिहास संबंधित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार • एवं स्वरूप, गृह पिंड विचार आदि कोर्स में अपने प्रकार के निर्माण की विधियां व उससे होने वाले लाभ-हानि से जुड़े ज्ञान-विज्ञान के शास्त्र को भी जान सकेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छट दी गई है।

इन् ने लींच किए भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम

झाँसी : इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि के कुलपति प्रो. नागेश्वर रॉव के निर्देश पर वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाट्यक्रम विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इंग्नू में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बन्धन नहीं है।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रमः प्रो0 नागेश्वर रॉव

झाँसी (बीपीएन टाइम्स)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।

प्रो० रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम

विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य



में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डाॅ० मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गी को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

इग्नू ने लांच किया भारतीय ज्ञान परंपरा संबंधित पाठ्यक्रम- प्रोफेसर राव

(आज समाचार सेवा)

उरई (जालौन) २२ जनवरी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल दिया।

प्रोफेसर राव ने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गई है। विदेशी भाषाओं संबंधित इंग्नू पाठ्यक्रम जैसे फेंच, स्पेनिश, जर्मन एवं अरबो पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिंदी व्यावसायिक लेखन, हिंदू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय काल गणना, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, युवाओं को भारतीय संस्कृति संबंधित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकी के युग में विश्वविद्यालय संबंधित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों संबंधित ज्ञान संवर्धन एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब प्लेटफॉर्म जैसे फसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब

चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी २०२४ सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के तहत ४ वर्षीय स्नातक स्तर के पाउयक्रम प्रारंभ किए गए हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन एवं ओडीएल मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिंदी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वारा स्वयं प्रभा चैनल नंबर ११ के माध्यम से प्रात: १० बजे से ११ बजे तक अकादीमक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है इग्नू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बंधन नहीं है यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है तो वह भी इंग्नू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी २०२४ सत्र में प्रवेश की अंतिम तिथि ३१ जनवरी २०२४ है। इग्नू पाठ्यक्रमों एवं अध्ययन से संबंधित जानकारी के लिए दयानंद वैदिक कॉलेज उरई में शिक्षक शिक्षा विभाग के कोऑर्डिनेटर डॉ. शैलजा गुप्ता से संपर्क किया जा सकता है। दयानंद वैदिक कॉलेज उरई को परीक्षा केंद्र भी बनाया गया है।

अमन यात्रा 🍂



Home / अपना जनपद / लखनऊ / इम्रु ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो0 नागेश्वर रॉव

तखनऊ उत्तरप्रदेश फ्रेश न्यूज

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो० नागेश्वर रॉव

IME क्रेक्टन्यून अपना देख राज्यान विदेखान मनोरंजनान वीडियो न विजनेसान गैजेट्सान करियरान खोत तादफस्टाइतान साहित्य जगतान जरा हटकेन ई-पेपरान

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है।





लखनऊ: इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपित प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है।

विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इसू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीिक के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब वैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक अकादिमक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है।

वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डाँ० मनोरमा सिंह ने बताया कि इय़ू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इय़ू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इय़ू से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।

इग्नू ने लांच किये भारतीय ज्ञान परम्परा संबंधित पाठ्यक्रम

फर्रुखाबाद, समृद्धि न्यूज

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व विद्यालय के कुलपित प्रो0 नागेश्वर राव ने क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज में वंचित वर्गी को उच्च शिक्षा की मख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्व विद्यालय के प्रयासों पर बल दिया। प्रो0 राव ने कहा कि अनु सुचित जाति व जन जाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छुट प्रदान की गई है। इग्नू में रोजगार पर्याप्त संभावनायें है। भारतीय ज्ञान परम्परा पाठ्यक्रम में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायीक, लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नाकोत्तर, भारतीय काल गणना, वैदिक गणित प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य, विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, युवाओं भारतीय संस्कृति संबंधित ज्ञान संबर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में साहयक है। क्षेत्रीय निदेशक डा0 मनोरमा मिश्रा ने बताया कि इग्न बिना भेदभाव समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू से जुड़कर लोग ज्ञान का संबर्धन कर सकते है। अंतिम तिथि 31 जनवरी 2024 है। यह जानकारी डीएन कालेज के प्रो डा0 विनोद कुमार तिवारी ने दी है।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा के पाढ्यक्रम – प्रो0 नागेश्वर राव

रिकाकुट (एस.बी.न्यूज)

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के बुलपति प्रोठ नामेश्वर ठीव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के बचित वर्गी करे उच्च शिश्वा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासी पर बल प्रदान किया।

प्रोठ राव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्याधियाँ स्नातक स्तर के पान्यकर्गों में प्रवेश शुल्क से पृद्ध प्रदान को गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इन्न् पान्यक्रम जैसे फ्रेंब, स्पेनिश, जर्मन, अरेपिक पान्यक्रम विद्याधियों के लिए खुल महत्वपूर्ण पान्यक्रम हैं। इन पान्यक्रमों में रोजगार की पर्योग्न सम्भावनायों हैं। भारतीय झन परम्परा से सम्बन्धित पान्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाग-पत्र, संस्कृत स्वहित्य में विज्ञान में पी.जी. हिल्तामा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहयक प्रदान करने में सहयक है। अधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म दैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूव चैनल की महत्वपूर्ण भीमका है।

जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिखा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय सात्रक स्तर के पात्रकम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पात्रकमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही खेत्रीय भाषाओं में पात्रकमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रमारित किया जाता है। लखनक क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रतः 10 बाते से 11 बाते तक अकादमिक परामशंदाताओं द्वारा विषयवार पात्रकमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डाँठ मनोरमा सिंह ने बतामा कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बन्धन नहीं है, चौद किसी की शिक्षा में कोई गैम हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर ज्ञान का संबर्धन कर सकते हैं। जनकरी 2024 सब में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनकरी 2024 है।

महाविद्यालय के प्राण्ये डॉ.० किनय कुमार चौधरी ने बताया कि इन्नू छात्र, छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए समय के अनुसार नये कार्सों का संचालन कर खा है। अतः छात्र, छात्राएं अपनी स्किल के अनुसार कोर्सों में प्रवेश लेकर अपने बेहतर कैरियर का चुनाव कर सकते हैं। डॉ.० धर्मेन्द्र सिंह समन्व्ययक इन्नू अध्ययन केन्द्र 27216 गोस्वामी लुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्यों चित्रकृट ने बताया कि इन्नू डिग्री कार्यक्रमों के साथ तमाम ऐसे सर्टीकिंट व डिप्लोमा कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है जो छात्र, छात्राओं के लिए बहत ही उपयोगी हैं।

इग्नू ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो० रॉव

लखनऊ(उमेश यादव)।इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से छूट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्नू पाठ्यक्रम जैसे फ्रेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाठयक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं।इन पाठ्यक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं।भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठयक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन. हिन्दु अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में



स्नातकोत्तर. भारतीय कालगणना. वैदिक गणित में प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं को भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक है।आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं युट्युब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठयक्रम प्रारम्भ किये गये हैं।वर्तमान

समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओडीएल मोड में पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठयक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक अकादिमक परामर्शदाताओं द्वारा पाठयक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डाँ० मनोरमा सिंह ने बताया कि इग्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुडने का अवसर प्रदान करता है। इग्नू में प्रवेश हेत उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वे भी इग्नु से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2024 है।



धर्म संस्कृति

Trending UP News Kanpur News Top News Breaking News uttar pradesh news latest news Ram Mandir Baro



रामलेला की पाण प्रतिष्ठ पर यपी का हर जिला राममय...देखिए LIVE



बरेली: इग्नू ने लॉन्च किया भारतीय ज्ञान परंपरा संबंधित पाठ्यक्रम, जानिए एडमिशन की अंतिम तारीख

By Vikas Babu

On 21 Jan 2024 18:18:27



बरेली, अमृत विचार। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। जिसमें बरेली कॉलेज से इग्नू के कोऑर्डिनेटर डॉ कमल कुमार सक्सेना ने कहा कि निर्देशित किया है कि समाज के वंचित वर्गों को उच्च शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अनुसूचित जाति व जनजाति के विद्यार्थियों के लिए स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश शुल्क में छूट प्रदान की गई है। विदेशी भाषाओं से संबंधित पाठ्यक्रम में जैसे फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, अरबी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं। इन पाठ्यक्रमों से रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पाठ्यक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिंदी व्यावसायिक लेखन, हिंदू अध्ययन संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय काल गणना, वैदिक गणित में प्रमाण पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवा भारतीय संस्कृति के संबंधित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है।

आधुनिक तकनीक के युग में विश्वविद्यालय संबंधित सूचनाओं पाठ्यक्रम संबंधित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडियाँ प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं।

वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर मनोरम सिंह ने बताया कि इंग्रू ने बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जोड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। इंग्रू में प्रवेश हेतु उम्र का कोई बंधन नहीं है। यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप है तो वह भी इनमें से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन कर सकता है। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश के अंतिम तिथि ३१ जनवरी २०२४ है।

इग्नु ने लॉन्च किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाद्यक्रम : प्रो० नागेश्वर रॉव

अपन यात्रा व्यरो

लखनकः । इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कलपति प्रोठ नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र, लखनक के दीरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वचित वर्गों को उच्च शिक्षा की मख्य धारा से जोड़ने के लिए विस्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया। प्रोठ रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनसचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पात्यक्रमों में प्रवेश शुल्क से **छट प्रदान की गयी है।**

विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इन्त पाठवक्रम जैसे फेंच, स्पैनिश, जर्मन, अरेबिक पाउपक्रम विद्यार्थियों के लिए बहत महत्वपूर्ण पाठपक्रम है। इन पाठयकमों में रोजगार की पर्याप सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा सहायक है। आधुनिक तकनीकि के



से सम्बन्धित पतुपक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में द्यातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठपक्रम यवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संबर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहयक प्रदान करने में

युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सचनाओं एवं पाठपक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं।

वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठपक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठपक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनक क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा ख़बंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10-00 बजे से 11-00 बजे तक अकादमिक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है।

वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉं० मनोरमा सिंह ने बताया कि इम्न बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इन्नू में प्रवेश हेत् उस का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इंग्नु से जुड़कर ज्ञान का संवर्धन

इग्नू के कुलपति ने क्षेत्रीय केंद्र में विभिन्न बिंदुओं पर किया चर्चा



लोहिया क्रान्ति संवाददाता

बलरामपुर । इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर रॉव ने रविवार को क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के

दौर पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के वॉचत वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल किया। प्रो0 रॉव ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनसचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठयक्रमों में प्रवेश शुल्क से छट प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित इग्न पाठ्यक्रम जैसे फेंच, स्पैनिश, जमंन, अरेबिक पाठयक्रम विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपर्ण पाठयक्रम हैं। इन पाठयक्रमों में रोजगार की पर्याप्त सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बन्धित पाठयक्रमों में वैदिक अध्ययन, हिन्दी व्यवसायिक लेखन, हिन्द अध्ययन, संस्कत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान संवर्धन एवं रोजगार प्रदान करने में सहायक प्रदान करने में सहायक है। आधुनिक तकनीकि के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चैनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय स्नातक स्तर के पाउयक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाठयक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठयक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10-00 बजे से 11-00 बजे तक अकादिमक परामर्शदाताओं द्वारा विषयवार पाठ्यक्रमों का सत्र लिया जाता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ० मनोरमा सिंह ने बताया कि इन्न बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इंग्नू में प्रवेश हेत् उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो वह भी इग्नू से जुड़कर जान का संवर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31

इग्नु ने लांच किये भारतीय ज्ञान परम्परा सम्बन्धित पाठ्यक्रम : प्रो नागेश्वर रॉव

चित्रकट(बीएनटी संवाददाता)। ाध्यक्षकुट(बाएनटा सवाद्वाता)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो नागेश्वर रॉव ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के दौरे पर अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान समाज के र्वोचत वर्गों को उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल विश्वविद्यालय के प्रयासों पर बल प्रदान किया।कुलपति प्रो नागेश्वर राँव ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों स्नातक स्तर के पाठयक्रमों में स्रातक स्तर के पाइलस्मा में प्रकार स्तर के पाइलस्मा में प्रकार सुक्त से हुए प्रदान की गयी है। विदेशी भाषाओं सम्बन्धित हुन्। पाइलस्म जैसे प्रेह्न, स्पीनश, जर्मन, अरीवक पाइलस्म विद्यार्थियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण पाइलस्म में है। इन पाइलस्मा में प्रकार की पर्योग्ध सम्भावनायें हैं। भारतीय ज्ञान प्रप्यत्त से सम्बन्धित पाइलस्मा में प्रकार की पर्योग्ध सम्भावनायें हैं।भारतीय ज्ञान प्रप्यत्त से सम्बन्धित पाइलस्मा में स्वर्णनाय की स्वर्णना की स्वर्णना सम्बन्धित स्वरूपना में स्वर्णनाय किस्सी

व्यवसायिक लेखन, हिन्दू अध्ययन, संस्कृत, ज्योतिष में स्नातकोत्तर, भारतीय कालगणना, वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र, संस्कृत साहित्य में विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा पादयकम युवाओं भारतीय संस्कृति सम्बन्धित ज्ञान भारताय संस्कृति सम्बान्धतं ज्ञानं संवर्धन एवं राज्यानं करने में सहायक है। आधुनिक तकनीिक के युग में विश्वविद्यालय सम्बन्धित सूचनाओं एवं पाद्यक्रमों सूचनाओं एवं पाठ्यक्रमों सम्बन्धित जानकारी के प्रसार में सम्बान्धत जीनकार्य के प्रसार में सोशल मीडिया प्लेटफार्म केंस्रवृक्त, एक्स, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब चौनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनवरी 2024 सत्र से विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 4 वर्षीय नात 2020 क तहत 4 वर्षाय स्नातक स्तर के पाट्यक्रम प्रारम्भ किये गये हैं। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन एवं ओ.डी.एल. मोड में पाट्यक्रमों का

संचालन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा के साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से प्रसारित किया जाता है।लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा स्वयंप्रभा चैनल नं 11 के माध्यम से प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक स प्रातः 10 बज स 11 बज तक अकादिमक परामर्शदाताओं डारा विषयवार पार्ट्यक्रमों का सत्र लिया जाता है।वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ मनोरमा सिंह ने बताया कि इन्नू बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों को शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इन्नू में प्रवेश के लिए उम्र का कोई बन्धन नहीं है, यदि किसी की शिक्षा में कोई गैप हो गया है, तो तिवा न कार गय है। गया है, ता बह भी इंग्नू से जुड़कर ज्ञान का संबर्धन कर सकते हैं। जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश की अन्तिम तिथि 31 जनवरी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनय

के लिए समय के अनुसार नये कार्मी का संचालन कर रहा है। कासा का संचालन कर रहा है। अतः छत्र-छत्राएं अपनी स्किल के अनुसार कोर्सो में प्रवेश लेकर अपने बेहतर कैरियर का चुनाव कर सकते हैं। डॉ धर्मेन्द्र सिंह समन्वयक सकत है। डा धमन्द्र। सह समन्वयंक इग्नू अध्ययन केन्द्र 27216 गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्ती चित्रकूट ने बताया कि इग्नू डिग्री कार्यक्रमा के साथ तमाम ऐसे सर्टीफिकेट व डिप्लोना कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है जो खत्र-छात्राओं के लिए बहुत ही

असम में हमले के विरोध पर कांगेसियों ने जताया आकोश चित्रकूट(बीएनटी संवाददाता)। भारत जोडो न्याय यात्रा पर असम में हमले के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी कर्बी को सौपाकांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशान सिंह पटल न कहा । क भारत जोखें न्याय यात्रा हमारे नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू होकर नागालैंड अरुणाचल प्रदेश होते हुए असम में प्रवेश किया, लेकिन हुए जसन में प्रचार निर्मा यात्रा को मिल रहे जन समर्थन से केंद्र व प्रदेश में बैठी भाजपा सरकार बीखला गई।असम के सुरकार बाखला ग्राजसम क मुख्यमंत्री खुलेआम मीडिया के सामने यात्रा को रोकने की धमकी दे रहे हैं, उसी के परिणाम स्वरूप 20 व 21 जनवरी को भाजपा के गुंडो द्वारा भारत जोडो में यात्रा पर हमला किया गया और रोकने का प्रयास किया। जिसमें असम के प्रदेश अध्यक्ष सहित कई काग्रेसी कार्यकर्ता घायल हो गए और काथकता धायल हा गए आ स्टीकर फाडे गए। यहां तक का राहुल गांधी को भी रोकने का प्रयास कियासाध ही असम सरकार द्वारा राहुल गांधी को भगवान शंकर के दर्शन करने से

मांग करती है ऐसे गंडो के खिलाफ माग करता ह एस गुडा क खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। भगवान सबके हैं लोकतंत्र में कहीं भी कोई दर्शन कर सकता है, लेकिन भाजपा सरकार घबराई हुई है। इस अन्याय के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा।यात्रा महंगाई बेरोजगारी जनता रहगावात्रा महगाई बराजगारी जनता से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए की जा रही हैं। वह किसी के धमकी से रोकने वाली नहीं हैं। यात्रा जारी रहेगी। अगर शासन ने ऐसे लोगों के खिलाफ अगर शासन न एस लागा के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की तो कांग्रेस पार्टी आंट्रोलन करेगीहर मौके पर जिला उपाध्यक्ष अवधेश करविरया, अनिल गुष्ता, विजय मणि त्रिपाटी, किसान कांग्रेस के अध्यक्ष गुजेश सिंह जग जाहिए पटेल महेंट सिंह शुभम त्रिपादी आदि मीजूद रहे।

सर्वाडकल कैंसर अवेयरनेस पोगान के जरिए गासीएों को किया सरोत

द हंस फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट कार्यक्रम माबाइल माडकल यूनट कायक्रम के अंतर्गत मऊ ब्लाक के मुस्का और पहाड़ी ब्लाक के खोंपा बांगर गांव में जागरूकता कार्यक्रम अका आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। परियोजना समन्वयक राधा गवा। पारवाजना समन्वयक राध ने बताया कि जनपद के मऊ मानिकपुर, पहाडी और रामनग विकासखंडों में सर्वाइकल् सर्वाइकल स्वास्थ्य जागरूकता उपलक्ष्य में समुदाय में महिलाओं एवं किशोरियों के साथ कई ज्यात्वस्य में मानुवाय में महिलाओं एवं किशोरियों के साथ कई जागरुकता अभियान चलाएं जा रहें है। जिससे वह अपने रखारूप के प्रति जागरुकत रहे। साथ ही राष्ट्रिय वुवा दिवस के उत्तरुव में भी सानुवाय में जागरुकत कार्यक्रम नारा लेखन प्रतियोगित, युवाओं के साथ खुली बैठक आयोजित की गयी।